निबन्धन प्रमाण पत्र संख्या ३६५ पैट [जिला] १९....

जिला पटना थाना ...

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि बिहार और उड़ीसा कोआप[illegible] सोसाइटीज अधिनियम, १९३५ (बिहार और उड़ीसा अधिनियम, ६, १९३५) की धारा-११ के अनुसार ... का निबन्धन मेरे कार्यालय में सीमित दायित्व वाली सहकारी समिति के रूप में हुआ है। इसका नाम ... समिति लि० ... पटना

समिति की उप-विधियां भी निबन्धित कर दी गयी हैं।

समिति का निबन्धित कार्यक्षेत्र नीचे दिखाया गया है :— ...

जिला सहकारिता पदाधिकारी, पटना।

तारीख ... महीना ... उन्नीस सौ ...

Scanned with CamScanner

सहकारी गृह-निर्माण समिति, लि०,

की उप-विधियाँ

प्रकाशक :
सहयोगी प्रकाशन
एक्जीबीशन रोड, ब्रजकिशोर (पथ) पटना—८०००१, फोन नं० : २५५७४

मुद्रक :
बिहार सहयोगी प्रेस

मई १९८८] [१२००

Scanned with CamScanner

[illegible] सहकारी गृह-निर्माण समिति, लिमिटेड की उप-विधियां।

1. नाम और पता ...[illegible]... सहकारी गृह-निर्माण समिति, लि०, ...अनीसा बाद पटना... जो इसमें आगे "समिति" के रूप में निर्दिष्ट है, बिहार-उड़ीसा सहकारी समिति अधिनियम (बिहार एण्ड उड़ीसा को-ऑपरेटिव सोसाइटीज ऐक्ट) (अधिनियम 6, 1935) के अधीन सहकारी समिति के रूप में रजिस्ट्रीकृत है। इसका रजिस्ट्रीकृत पता ...अनीसा बाद... ... ...डाकघर ...अनीसा बाद... थाना ...[illegible]... प्रखण्ड ...पटना सदर... जिला ...पटना... होगा। पते में कोई परिवर्त्तन होने पर इसकी सूचना परिवर्त्तन के पन्द्रह दिनों के भीतर रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, बिहार, यदि कोई वित्त पोषक बैंक हो तो उसे, बिहार सहकारी संघ (बिहार को-ऑपरेटिव फेडरेशन) लि०, पटना, समिति के सदस्यों और उसके लेनदारों को दे दी जायगी।

2. प्रवर्त्तन-क्षेत्र—इसका प्रवर्त्तन-क्षेत्र ...पटना नगर निगम... और उसके 2 मील के दायरे के भीतर सीमित रहेगा। पटना अंचल [illegible]

3. उद्देश्य—समिति के निम्नलिखित उद्देश्य होंगे :—

(क) खरीद, बंधक, पट्टा, विनिमय, दान द्वारा या अन्यथा भूमि खरीदना या अर्जित करना;

(ख) समिति की अपेक्षाओं के अनुकूल सड़क, पार्क, क्रीड़ा-स्थल, विद्यालय, अस्पताल, जलकर (वाटर वर्कस), बाजार डाकघर, क्लब, पुस्तकालय, सामुदायिक भवनों और अन्य सामाजिक सुख-सुविधाओं के लिए भूमि रखना;

(ग) समिति के सदस्यों के फायदे के लिए गृह-स्थलों के रूप में भूमि रखना;

(घ) समिति के सामान्य उपयोग के लिए भवन निर्माण या अन्य निर्माण करना या करवाना;

(ङ) सदस्यों के लिए आवास-गृह या अन्य भवन बनाना या बनवाना और उनमें स्वच्छता, बिजली और जल का कनेक्शन लगाना;

(च) भूमि, गृह-स्थल, भवन और अन्य सभी चल या अचल सम्पत्ति को धारण करना, बेचना, बंधक करना, भाड़ा या किस्ती खरीद पर पट्टे पर देना या अन्यथा निबटाना, जैसा कि समिति के उद्देश्यों को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक हो;

(छ) सदस्यों के फायदे के लिए सामाजिक, आमोद-प्रमोद, शैक्षिक, लोक-स्वास्थ्य या चिकित्सा संस्थाओं की स्थापना और अनुरक्षण करना;

(ज) समिति के कारबार के लिए अपेक्षित निधि जुटाना;

(ट) समिति के भवनों की मरम्मत करना, उनमें हेर-फेर करना या अन्यथा उनके बारे में कार्रवाई करना;

(ठ) भूमि को पट्टे या उप-पट्टे पर देना, उसे अभ्यर्पित और अभ्यर्पण स्वीकार करना; किसी भी भू-धृति की भूमि के सम्बन्ध में कार्रवाई करना; और

(ड) पूर्वोक्त उद्देश्यों की पूर्ति और सामान्य सदस्यों के आराम; सुविधा और उनके आर्थिक हित के लिए सभी आवश्यक और समीचीन काम करना।

4. सदस्यता—(1) समिति के सदस्य ऐसे व्यक्ति हो सकेंगे जो 18 वर्ष से अधिक उम्र के हों और जो प्रवर्त्तन-क्षेत्र के भीतर घर लेना चाहते हों तथा जिन्होंने रजिस्ट्रीकरण के आवेदन पर हस्ताक्षर कर दिया हो या जो निदेशक-बोर्ड द्वारा बाद में सदस्य बनाए जाएं या जो उपविधि 9 के अनुसार ऐसे सदस्यों के नाम-निर्देशिती या विधिक-वारिस हो।

(2) ऐसा कोई भी व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत समिति का सदस्य होने का पात्र नहीं होगा, यदि—

(क) वह 18 वर्ष से कम उम्र का हो;

(ख) वह समिति या सम्बद्ध समिति का वैतनिक कर्मचारी हो;

(ग) वह विकृत चित का हो;

(घ) उसने दिवालिया या शोधाक्षम के रूप में न्याय निर्णीत किये जाने के लिए आवेदन किया हो या वह अप्रमाणपत्रित दिवालिया अथवा अनुन्मोचित शोधाक्षम व्यक्ति हो, या

(ङ) उसे ऐसे अपराध के लिए दण्डादेश दिया गया हो जो राजनीतिक स्वरूप के अपराध से भिन्न या जिसमें नैतिक अपचार अन्तर्गस्त हो और ऐसा दंडादेश न तो उलटा गया हो और न अपराध क्षमा कर दिया गया हो।

5. सदस्य के रूप में प्रवेश पाने और शेयर के आवंटन के लिए आवेदन समिति द्वारा विहित फारम में, अवैतनिक सचिव के पास किया जायेगा। ऐसे हरेक आवेदन का निदेशक-बोर्ड निपटारा करेगा जिसे प्रवेश मंजूर करने या कारण नामंजूर करने की शक्ति होगी। प्रबन्ध समिति का विनिश्चिय आवेदक को विनिश्चय के पन्द्रह दिनों के भीतर संसूचित कर दिया जायेगा। जिस व्यक्ति का सदस्यता का आवेदन प्रबन्ध समिति ने नामंजूर कर दिया हो वह विनिश्चय संसूचित किये जाने के साठ दिनों के भीतर, रजिस्ट्रार के पास अपील कर सकेगा, जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

6. कोई भी व्यक्ति अधिकार पूर्वक सदस्य बनने का दावा नहीं कर सकेगा।

7. ऐसा कोई भी व्यक्ति जो इस समिति के प्रवर्त्तन-क्षेत्र के भीतर किसी दूसरी सहकारी आवास समिति का सदस्य हो, (या प्रवर्तन क्षेत्र के भीतर अपने नाम से आवासीय भूखंड) इस समिति का सदस्य नहीं बनाया जायेगा।

8. हरेक व्यक्ति समिति का सदस्य बनने के लिए अपने आवेदन के साथ (२५) रु० प्रवेश फीस देगा। यदि आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाय, तो प्रवेश फीस लौटा दी जायेगी। ऐसे सभी व्यक्ति, जिन्होंने समिति के रजिस्ट्रीकरण के लिए दिये गये आवेदन पर हस्ताक्षर किए हों, समिति के रजिस्ट्रीकरण की तारीख से चार सप्ताह के भीतर प्रवेश-फीस देंगे, जिसे नहीं देने पर उनके नाम समिति की सदस्यता से हटा दिये जायेंगे।

Scanned with CamScanner

हरेक सदस्य का उप-विधियों की एक प्रति दी जायेगी।

9. समिति का हरेक सदस्य किसी ऐसे व्यक्ति का नाम निर्देशित कर सकेगा, जिसे उप-विधि 15 के अधीन, पूंजी में उसका शेयर या हित अन्तरित किया जायेगा, या शेयर या हित उस मूल्य अथवा उप-विधियों के अधीन देय कोई राशि चुकाई जायेगी। नाम निर्देशन करने वाला सदस्य समय-समय पर, ऐसा नाम निर्देशन प्रतिसंहृत या उसमें फेर-फार कर सकेगा। ऐसा नाम निर्देशन, उसकी मृत्यु की दशा में, समिति द्वारा प्रभावी किया जायेगा, बशर्ते कि—

(i) नाम निर्देशन, लिखित हो और मृत व्यक्ति ने अनुप्रमाणित करनेवाले कम-से-कम दो साक्षियों की उपस्थिति में, उसपर हस्ताक्षर किया हो;

(ii) नाम-निर्देशन इस प्रयोजनार्थ रखी गई समिति की बही में रजिस्ट्रीकृत कर लिया गया हो;

(iii) ऐसा नाम निर्देशन; इसकी प्राप्ति के तीन महीने के भीतर, समिति द्वारा निपटा दिया जायेगा; और

(iv) नाम-निर्देशिती तभी सदस्य हो सकेगा जब निदेशक-बोर्ड उसे इस रूप में स्वीकृत करे।

10. शेयर पूंजी—समिति की प्राधिकृत शेयर-पूंजी एक करोड़ रु० की होगी। जो प्रति शेयर 100 (एक सौ) रुपये के शेयरों की होगी।

11. शेयर—(क) हरेक सदस्य से, समिति के पांच शेयर लेने और उसके मूल्य का भुगतान करने की अपेक्षा की जायगी, जो अधिक-से-अधिक दस महीने की; मासिक किस्तों में देय होगा।

(ख) हरेक व्यक्ति से, 25 (पच्चीस) रु० प्रवेश-फीस के अतिरिक्त, दो शेयरों; मूल्य के बराबर 200/- रु० देने की अपेक्षा की जाएगी, जो शेयरों के आवेदन पर प्रथम किस्त समझा जायगा।

(ग) आगे, हरेक सदस्य से भूमि की प्राक्कलित कीमत के बराबर रकम या 10,000/- रु० जो भी कम हो, अतिरिक्त शेयर लेने और उसके मूल्य का भुगतान करने के लिए भी कहा जायगा।

(घ) फिर भी, कोई भी सदस्य समिति के 100 शेयर या उसकी कुल शेयर पूंजी के 1/5 वें भाग से अधिक शेयर नहीं लेगा।

12. हरेक सदस्य को एक शेयर प्रमाण-पत्र दिया जायगा; जिस पर अध्यक्ष या सचिव और दो अन्य निदेशकों के हस्ताक्षर रहेंगे और जिसमें उसके द्वारा धारित शेयर दिखाये रहेंगे। शेयर प्रमाण-पत्र खो जाने पर, उसकी दूसरी प्रति देने के लिए 1 रु० की फीस ली जायगी।

13. निर्देशन-बोर्ड किसी सदस्य को अपने शेयर वापस लेने की अनुज्ञा दे सकेगा; बशर्ते कि वह अवक्रेता (किस्ती खरीदार) या पट्टेदार या भाड़ा अन्तरिती के रूप में

Scanned with CamScanner

समिति में कोई हित न रखता हो और साथ ही उसने कम-से-कम एक वर्ष तक समिति का शेयर धारण किया हो तथा वापसी के लिए छः महीने की नोटिस दी हो। फिर भी निदेशक-बोर्ड, किसी सदस्य को अपने द्वारा धारित शेयर-मूल्य अपने अन्तिम कुछ किस्तों में समायोजित करने की अनुज्ञा दे सकेगा जिससे कि (एक शेयर मूल्य को छोड़कर) पूरी बकाया रकम खत्म हो जाए बशर्ते कि इससे समिति की वित्तीय स्थिति पर कोई प्रभाव न पड़े।

14. (क) किसी भी सदस्य को अपने द्वारा धारित कोई शेयर अन्तरित करने की अनुज्ञा तबतक नहीं दी जायगी, जबतक कि अन्तरिती सदस्य या सदस्य होने का पात्र होने वाला ऐसा व्यक्ति न हो जिसे समिति सदस्य के रूप में स्वीकार करने की इच्छुक हो।

शेयर का अन्तरण तबतक प्रवृत्त न होगा जबतक निदेशक-बोर्ड उसे मंजूर न करें। हरेक अन्तरिती केवल 1 रु० फीस देगा।

(ख) शेयर प्रमाण-पत्रों के अन्तरण के पृष्ठांकन पर; अध्यक्ष या सचिव, जिसे भी निदेशक बोर्ड ने इस निमित्त प्राधिकृत किया हो, हस्ताक्षर करेगा।

15. (क) समिति किसी सदस्य की मृत्यु होने पर पूंजी में उसके शेयर या हित को, उप-विधि 9 के अनुसार, नाम निर्देशित व्यक्ति को अन्तरित कर सकेगी, या यदि इस प्रकार नाम निर्देशित कोई व्यक्ति न हो, तो ऐसे व्यक्ति को अन्तरित कर सकेगी जो निदेशक बोर्ड को इन-उपविधियों के अनुसार यथा स्थिति; उसका वारिस या विधिक प्रतिनिधि प्रतीत हो; परन्तु समिति मृत सदस्य का शेयर या हित सदस्य की मृत्यु के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त होने के तीन महीने के भीतर, ऐसे नाम निर्देशिती, वारिस या विधिक प्रतिनिधि अथवा आवेदन में विनिर्दिष्ट किसी ऐसे सदस्य को, जो इसके लिए अर्हित हो, अन्तरित कर देगी।

(ख) पूर्वोक्त के अध्यधीन; समिति मृत सदस्य को समिति द्वारा देय अन्य सभी धन यथास्थिति, ऐसे नाम निर्देशिती, वारिस या विधिक प्रतिनिधि को चुका सकेगी।

(ग) समिति द्वारा इस उप-विधियों के उपबन्धों के अनुसार किए गए सभी अन्तरण और भुगतान, किसी व्यक्ति द्वारा समिति से की गई किसी मांग के प्रति विधि-मान्य और प्रभावी होंगे।

16. भुगतान में व्यतिक्रम—यदि कोई सदस्य किसी शेयर की किस्त तीन महीने से अधिक समय तक नहीं चुका पाए तो निदेशक-बोर्ड ऐसे सभी शेयरों को, उनके मद्धे किए गए सभी भुगतानों सहित, समपहृत और इन शेयरों से लगे सदस्यता अधिकार को समाप्त घोषित कर सकेगा। इस प्रकार समपहृत शेयर समपहरण की नोटिस तारीख से छः महीनों के भीतर; सभी बकायों का और प्रति शेयर पच्चास पैसे नवीकरण फीस का भुगतान करने पर नवीकृत किए जा सकेंगे। समपहृत शेयर की रकम आरक्षित निधि में जमा की जायगी।

17. दायित्व—(क) समिति के ऋणों के सम्बन्ध में किसी सदस्य का दायित्व

उसके द्वारा शेयरों के अंकित मूल्य के दुगने तक सीमित रहेगी।

(ख) (i) कोई भूतपूर्व सदस्य, जैसा कि उप-विधि 17 (क) में उपबंध किया गया है, समिति को देय उन ऋणों के लिए जो उसकी सदस्यता समाप्त होने की तारीख को विद्यमान थे, उस तारीख से दो वर्षों की अवधि के लिए जिम्मेवार रहेगा।

(ii) मृत सदस्य की संपदा, जैसा कि उप-विधि 17 (क) में उपबंध किया गया है, समिति को देय उन ऋणों के लिए जो उसकी मृत्यु की तारीख को विद्यमान थे उसकी मृत्यु के बाद दो वर्षों की अवधि तक दायित्वाधीन रहेगी।

18. निधि—समिति निम्नलिखित स्रोतों से निधि जुटा सकेगी :—

(क) शेयर अभिदाय,
(ख) सरकार या अन्य स्रोतों से उधार,
(ग) रजिस्ट्रार, सहकारी समिति का पूर्व अनुमोदन लेकर डिबेंचर जारी करके,
(घ) सदस्यों द्वारा किये गये निक्षेप,
(ङ) संदान और अनुदान
(च) प्रवेश फीस और अन्य फीस,
(छ) समिति द्वारा बनाई गई कोलोनी में सड़क, जलापूर्ति, रोशनी और स्वच्छता के अनुरक्षण मद्धे अभिदाय, और
(ज) समिति द्वारा बनाई गई कोलोनी में सामाजिक, क्षैक्षिक, आमोद-प्रमोदात्मक और चिकित्सा संस्थाओं मद्धे अभिदाय।

19. उधार—समिति, रजिस्ट्रार, सहकारी समिति के अनुमोदन से निदेशक-बोर्ड द्वारा यथा विनिश्चित दरों और निबन्धनों पर, सरकार और अन्य स्रोतों से अपनी अपेक्षानुसार धन उधार लेगी।

20. अधिकतम उधार सीमा—समिति का कुल उधार चाहे निपेक्ष के जरिये हो या अन्यथा, और चाहे सदस्यों से लिया जाय या अन्य स्रोतों से किसी भी समय, उसकी समादत्त शेयर पूंजी और आरिक्षितियों के दस गुने से अधिक न होगा।

प्रबन्ध

21. निदेशक बोर्ड—शेयरधारियों के सामान्य निकाय द्वारा समय-समय पर किये जानेवाले विनिश्चियों के अध्याधीन, समिति के मामलों का कार्यकारी प्रबन्ध एक निदेशक-बोर्ड में निहित होगा।

निदेशक-बोर्ड में ... ... सदस्य रहेंगे, जिनमें से सभी/एक तिहाई का नाम निर्देशन रजिस्ट्रार, सहकारी, समिति, बिहार तीन वर्षों/एक वर्ष के लिए करेगा।

22. (i) निदेशक-बोर्ड के सदस्य, प्रति वर्ष वार्षिक सामान्य बैठक में, सदस्यों के बीच से शेयरधारियों के सामान्य निकाय द्वारा निर्वाचित किये जाएंगे। कोई अन्तरिम रिक्ति या ऐसी कोई रिक्ति, जो मूल निर्वाचन के समय भरी नहीं गई हो, मूल अवधि के

Scanned with CamScanner

अनवसित भाग के लिए निदेशक-बोर्ड के शेष सदस्यों द्वारा सहयोजन के जरिये भरी जा सकेगी। सामान्य निकाय, निदेशक-बोर्ड के किसी भी सदस्य को किसी भी समय निकालने और उसके स्थान पर किसी अन्य को निर्वाचित करने के लिए सक्षम होगा तथा इस प्रकार निर्वाचित सदस्य, केवल मूल अवधि के अनवसित भाग के लिए ही पद धारण करेगा।

(ii) निदेशक-बोर्ड की कार्यवाही बोर्ड में किसी रिक्ति के कारण अविधिमान्य नहीं होगी।

(iii) निदेशक-बोर्ड का कोई भी सदस्य, समिति के सचिव के पास त्याग-पत्र भेजकर किसी भी समय पदत्याग कर सकेगा किन्तु ऐसा त्याग-पत्र निदेशक-बोर्ड द्वारा स्वीकृत किये जाने की तारीख से ही प्रभावी होगा।

23. निदेशक-बोर्ड समिति का काम-काज संचालित करने के लिए हरेक दो महीने पर या उतनी बार जितनी बार आवश्यक हो; अपनी बैठक करेगा। निदेशक-बोर्ड की बैठक के लिए कोरम पाँच का होगा। निदेशक-बोर्ड के समक्ष रखे गये सभी प्रश्नों का विनिश्चिय बहुमत द्वारा किया जायगा। मत बराबर होने पर, अध्यक्ष या अन्य पीठासीन सदस्य को निर्णायक मत देने का अधिकार होगा। निदेशक-बोर्ड का कोई भी सदस्य, निदेशक-बोर्ड की किसी बैठक में उस समय उपस्थित नहीं रहेगा, जब किसी ऐसे विषय पर, जिसमें वह स्वयं हितबद्ध हो, विचार-विमर्श किया जा रहा हो। बहुत ही आवश्यक स्थिति में, जब निदेशक-बोर्ड की बैठक संयोजित करने के लिए पर्याप्त समय न हो, और ऐसे सभी मामलों में, जिनमें समय-समय पर निदेशक-बोर्ड द्वारा ऐसी प्रक्रिया विहित की जाय, सचिव कागज-पत्र परिचालित करके निदेशक-बोर्ड के आदेश प्राप्त कर सकेगा। परिचालन द्वारा किया गया ऐसा विनिश्चिय, निदेशक-बोर्ड की अगली बैठक के समक्ष उनके अनुसमर्थन के लिए रखा जायगा। यदि ऐसे परिचालन के दौरान कोई मतभेद उठ खड़ा हो, तो उस विषय का विनिश्चिय परिचालन द्वारा नहीं करके उसे निदेशक-बोर्ड की बैठक के समक्ष रखा जायेगा।

24. यदि निदेशक-बोर्ड का कोई निर्वाचित सदस्य निदेशक-बोर्ड की चार लगातार बैठक में उपस्थित न हो, तो निदेशक-बोर्ड उसे बोर्ड की सदस्यता से हटा सकेगा।

25. निदेशक-बोर्ड द्वारा समय-समय पर, पारित किये जानेवाली संकल्प के अध्यधीन, समिति के निम्नलिखित पदाधिकारियों को निम्नलिखित शक्तियाँ होगी :—

(क) अध्यक्ष समिति के सभी कामकाज पर सामान्य नियन्त्रण रखेगा,

(ख) जब अध्यक्ष अनुपस्थिति हो और उपाध्यक्ष को अध्यक्ष की शक्तियाँ लिखित रूप में प्रत्योजित की गई हों तब उपाध्यक्ष, अध्यक्ष की सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में वह निदेशक-बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करेगा,

(ग) अध्यक्ष के समस्त नियन्त्रण के अध्यधीन, सचिव समिति के सभी मामलों पर सामान्य नियन्त्रण रखेगा और, निदेशक-बोर्ड के अनुमोदन से, समिति के रोकड़

Scanned with CamScanner

और अन्य सम्पत्तियों की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगा।

26. (i) अध्यक्ष या उपाध्यक्ष और सचिव, अथवा निदेशक-बोर्ड के कोई तीन सदस्य उस सभी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेंगे जो समिति पर प्रभाव या दायित्व सृजित करते हों।

(ii) अध्यक्ष या उपाध्यक्ष और सचिव अथवा सचिव तथा निदेशक-बोर्ड के कोई दो अन्य सदस्य किसी भी मूल्य के चेक या भुगतान आदेश पर हस्ताक्षर करने के लिए सक्षम होंगे।

27. (1) कोई भी व्यक्ति निदेशक-बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्ति का पात्र न होगा, यदि वह—

(क) समिति का वैतनिक कर्मचारी हो, या

(ख) समिति के किसी वैतनिक कर्मचारी का निकट सम्बन्धी हो, परन्तु यदि वह प्रश्न उठ खड़ा हो कि अमुक व्यक्ति समिति के किसी वैतनिक कर्मचारी का निकट सम्बन्धी है या नहीं तो यह प्रश्न रजिस्ट्रार, सहकारी समिति के पास विनिश्चय के लिए भेजा जायगा; जो अन्तिम होगा, या

(ग) लिए गये किसी कर्ज या कर्जों के सम्बन्ध में वह समिति के प्रति व्यक्तिक्रमी हो।

(2) समिति के निदेशक-बोर्ड का कोई सदस्य, सदस्य के पद पर न रह जायेगा, यदि वह—

(क) समिति का वैतनिक कर्मचारी हो जाय, या

(ख) समिति के किसी वैतनिक कर्मचारी का निकट सम्बन्धी हो जाए; या

(ग) समिति से दिए गए किसी कर्ज या कर्जों के सम्बन्ध में व्यतिक्रम करे और यदि यह व्यतिक्रम तीन महीने तक जारी रहे, या।

(घ) समिति के साथ की गई किसी संविदा में या समिति द्वारा प्राइवेट तौर पर या किसी नीलाम में की गई किसी खरीद बिक्री में या उसकी ऐसी संविदा या संव्यवहार में, जिसमें कोई वित्तीय हित अभिग्रस्त हो, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हितबद्ध हो जाय अथवा समिति के किसी सदस्य की कोई ऐसी सम्पत्ति, जो उस सदस्य के यहाँ समिति के बकाये की बसूली के लिए नीलाम की जा रही हो, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष से खरीदे।

(3) समिति का कोई भी पदाधिकारी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में निम्नलिखित से हितबद्ध नहीं होगा—

(i) समिति के साथ की गई किसी संविदा से, या

(ii) समिति द्वारा प्राईवेट तौर पर या किसी नीलाम में की गई किसी खरीद-बिक्री से, या

(iii) विनिधान या उधार से भिन्न समिति की किसी ऐसी संविदा या संव्यवहार में, जिसमें वित्तीय हित अभिग्रस्त हो।

Scanned with CamScanner

(4) समिति का कोई भी पदाधिकारी समिति की किसी सदस्य की ऐसी सम्पत्ति को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, नहीं खरीदेगा जो उस सदस्य के यहाँ समिति के बकाये की वसूली के लिए नीलाम की जा रही हो।

28. समिति को चुकाए गए सभी धन के लिए रसीद दी जायेगी। सदस्यों द्वारा चुकाए गए धन की रसीद पर, सचिव या इस कार्य के लिए निदेशक-बोर्ड द्वारा प्राधिकृत समिति का कोई कर्मचारी हस्ताक्षर करेगा। सदस्यों से भिन्न व्यक्तियों या अन्य समितियों या सरकार से उधार लेने की दशा में रसीद या बन्ध पत्र (बाँड) निदेशक-बोर्ड के कम-से-कम तीन सदस्य निष्पादित करेंगे, जिनमें से एक अध्यक्ष या उपाध्यक्ष होगा।

29. निदेशक-बोर्ड का यह कर्त्तव्य होगा कि वह रजिस्ट्रार द्वारा, समय-समय पर, यथाविहित लेखे और रजिस्टर रखे, रजिस्ट्रार द्वारा की गई संपरीक्षा या निरीक्षण संबंधी टिप्पणियाँ प्राप्त होने के चार महीनों के भीतर उन्हें सदस्यों की सामान्य बैठक में रखे; रजिस्ट्रार से पत्राचार करे और समिति से सम्बन्धित अन्य सभी कार्य करें।

30. (1) निदेशक-बोर्ड को प्रत्येक वर्ष के लिए सामान्य निकाय द्वारा स्वीकृत मान के अनुसार और बजट आवंटन के भीतर, समिति के प्रबन्ध के लिए यथावश्यक व्यय करने की शक्ति होगी।

(2) समिति के वैतनिक पदाधिकारियों तथा सेवकों की भरती की पद्धति; सेवा-शर्त, वेतन मान और भत्ता नियत करने, बढ़ाने या नियमित करने के लिए सक्षय प्राधिकारी तथा इनके विरुद्ध अनुशासनिक मामलों के निपटारे में अपनाई जानेवाली प्रक्रिया, निदेशक बोर्ड द्वारा बनाई गई तथा रजिस्ट्रार, सहयोग समिति द्वारा अनुमोदित कार्य-नियमावली द्वारा शासित होगी।

31. कोई भी व्यक्ति समिति की सेवा की किसी कोटि में वैतनिक पदाधिकारी या सेवक के रूप में; ऐसे रूप में और ऐसे मानक के अनुसार प्रतिभुति दिये बिना नियुक्ति नहीं किया जायेगा, जैसा कि निदेशक-बोर्ड, रजिस्टार के अनुमोदन से, उस समिति की या जिस समिति वर्ग में वह आती हो उसकी सेवा की ऐसी कोटि के लिए नियत करे।

32. कोई भी वैतनिक पदाधिकारी या सेवक समिति की सेवा की किसी कोटि में नहीं रखी जायेगी, यदि उसने निदेशक-बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रार के अनुमोदन से यथानिदेशित समय के भीतर ऐसे रूप में और ऐसे मानक के अनुसार प्रतिभूति नहीं दी हो, जैसा कि निदेशक-बोर्ड; रजिस्ट्रार के अनुमोदन से, उस समिति की या जिस समिति वर्ग में वह आती हो उसकी सेवा की ऐसी कोटि के लिए, जिसमें वह काम कर रहा हो निदेशित करे।

33. निदेशक-बोर्ड के समिति के कार्य-संचालन के लिए अधिनियम, अधिनियम के अधीन बनाई गई नियमावली और इन उप-विधियों से संगत समनुषंगी नियम बनाने के लिए सक्षम होगा। ऐसे समनुषंगी नियम समिति की कार्य-वृत्त पुस्तक में दर्ज किए जायेंगे और उन्हें रजिस्ट्रार सहकारी समिति के पास अनुमोदन के लिए भेजा जायेगा।

34. सामान्य निकाय—सदस्यों का सामान्य निकाय समिति के प्रशासन से संबंधित

Scanned with CamScanner

सभी विषयों का अन्तिम प्राधिकार होगा। सामान्य निकाय समिति के कार्य और खासकर निदेशक-बोर्ड के कार्यों पर सामान्य पर्यवेक्षण रखेगा तथा ऐसी सभी कार्रवाइयाँ करने के लिए सक्षम होगा जो समिति के हित में आवश्यक समझी जाएँ।

सामान्य बैठक तीन प्रकार की होगी—

(क) साधारण, (ख) असाधारण और (ग) विशेष।

(क) साधारण सामान्य बैठक हरेक वर्ष कम-से-कम एक बार सहकारिता-वर्ष की समाप्ति से छः महीनों के भीतर आयोजित की जायेगी। यदि संपरीक्षक द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित तुलन-पत्र सहित कानूनी संपरीक्षा रिपोर्ट, वार्षिक सामान्य बैठक के लिए नियत तारीख के पहले पूरी नहीं की गई हो, तो, लाभ के व्ययन के सिवा इन उप-विधियों में यथाउपबंधित साधारण सामान्य बैठक की सभी कार्य-मदें बैठक में संपादित की जाएँगी। लाभ के व्ययन और संपरीक्षा रिपोर्ट पर इस प्रयोजनार्थ की जानेवाली असाधारण सामान्य बैठक में या अगली वार्षिक सामान्य बैठक में विचार किया जा सकेगा।

(ख) असाधारण सामान्य बैठक निदेशक-बोर्ड द्वारा किसी भी समय या नामांकित सदस्यों में से एक-तिहाई सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित अध्यपेक्षा प्राप्त होने पर, ऐसी अध्यपेक्षा की तारीख के एक महीने के भीतर बुलाई जा सकेगी। विशेष सामान्य बैठक रजिस्ट्रार, सहकारी समिति या उसके द्वारा प्राधिकृत अन्य पदाधिकारियों की अध्यपेक्षा पर, समिति के मुख्यालय में, ऐसे समय और स्थान पर, बुलाई जाएगी जैसा कि उस अध्यपेक्षा में विनिर्दिष्ट हो। सचिव के लिए यह लाजिम होगा कि वह रजिस्ट्रार या उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति का आदेश प्राप्त होने के लिए इक्कीस दिनों के भीतर विशेष सामान्य बैठक आयोजित करे। उसके ऐसा न करने पर, रजिस्ट्रार या उक्त व्यक्ति, सदस्यों को एक पक्ष की या समिति की उप-विधियों में यथा-उपबंधित नोटिश देने के बाद, स्वयं बैठक बुला सकेगा और ऐसी बैठक को, समिति को उप-विधियों के अनुसार, संयोजित विशेष सामान्य बैठक की सभी शक्तियाँ होंगी।

35. निदेशक-बोर्ड समिति के ऐसे नामांकित सदस्यों की एक सूची रखेगा; जो सामान्य बैठकों में मतदान के लिए अर्हित हो और सामान्य निकाय की प्रत्येक बैठक के पहले एक पखवारे के भीतर ऐसी सूची को अद्यतन कर लेगा। अवैतनिक सचिव का यह कर्त्तव्य होगा कि वह ऐसी सूची की प्रतियाँ उन सदस्यों को जो इसे लेना चाहें, इस निमित्त निदेशक-बोर्ड द्वारा यथाविहित फीस का भुगतान करने पर आपूरित करें। समिति की किसी सामान्य बैठक के लिए नियत तारीख के पूर्ववर्ती पखवारे में कोई सदस्य नहीं बनाया जाएगा।

36. उपस्थित रहने पर अध्यक्ष सामान्य निकाय की बैठकों का सभापतित्व करेगा। उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष और अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष दोनों की अनुपस्थिति में, उपस्थित सदस्य बैठक का सभापतित्व करने के लिए किसी सभापति का चुनाव कर सकेगा। हरेक उपस्थित सदस्य का एक मत होगा। परोक्षी द्वारा मतदान की अनुमति न

Scanned with CamScanner

दी जायेगी। सभी प्रश्नों का विनिश्चय उपस्थित सदस्यों के बहुमत से किया जायगा। मत बराबर होने पर बैठक के अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का अधिकार होगा।

37. सामान्य बैठक की नोटिश जिस तारीख को बैठक होनेवाली हो उसके कम-से कम पूरे चौदह दिन पहले सभी सदस्यों को दे दी जायगी; जिसमें उस बैठक में संपादित किए जाने वाले कार्य का स्थान; तारीख और समय उल्लिखित रहेंगे। कोई भी बैठक इस कारण अविधिमान्य न समझी जायगी कि किसी सदस्य या सदस्यों को नोटिश प्राप्त नहीं हुई, किन्तु अवैतनिक सचिव को इस बारे में हमेशा उचित सावधानी बरतनी चाहिए कि नोटिस सभी सदस्यों को दे दी जाए।

38. सामान्य बैठक का कोरम तीस या सदस्यों की कुल संख्या की एक चौथाई का, जो भी कम हो, होगा। यदि कोरम एक घन्टे के भीतर पुरा न हो तो अध्यक्ष यदि बैठक असाधारण सामान्य बैठक हो, तो उसे विघटित कर देगा और यदि बैठक साधारण सामान्य बैठक या विशेष सामान्य बैठक हो तो उसे कम-से-कम पूरे सात दिन और अधिक-से-अधिक इक्कीस दिन बाद की किसी तारीख के लिए स्थगित कर देगा। स्थगित बैठक में संपादित किया जानेवाला कार्य वही और उससे अभिन्न होगा जो मूल बैठक के लिए प्रस्तावित था। यदि ऐसी स्थगित बैठक में भी कोरम पूरा न हो तो संकल्प, साधारण सामान्य बैठक को छोड़कर जिसमें संकल्प उपस्थित सदस्यों के बहुमत द्वारा ही पारित किए जा सकेंगे उपस्थित सदस्यों के तीन-चौथाई बहुमत द्वारा पारित किए जा सकेंगे।

39. अध्यक्ष, बैठक की सम्मति से किसी बैठक को एक समय से दूसरे समय के लिए स्थगित कर सकेगा, किन्तु जिस बैठक का स्थगन हुआ हो उस बैठक में, अधूरे छोड़े गए कार्य से भिन्न कोई भी कार्य किसी स्थगित बैठक में सम्पादित नहीं किये जाएंगे।

40. सामान्य बैठक के निम्नलिखित कार्य होंगे :—

(क) समिति के पूर्ववर्त्ती वर्ष के कार्य पर निदेशक-बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त करके उस पर विचार करना;

(ख) समिति के पिछले वर्ष के संपरीक्षित लेखे पर विचार कर उसे अंगीकृत करना तथा इन उप-विधियों के अनुसार उस वर्ष के लाभ की व्यवस्था करना;

(ग) इन उप-विधियों के अनुसार, आगामी वर्ष के लिए निदेशक-बोर्ड के सदस्यों को निर्वाचित करने;

(घ) यदि आवश्यक हो तो, आगामी वर्ष के लिए समिति के अधिक आंतरिक संपरीक्षक निर्वाचित करना जो निदेशक-बोर्ड का सदस्य के सदस्य न होंगे और उसका/उनका, पारिश्रमिक नियत करना;

(ङ) आगामी वर्ष के लिए बजट मंजूर करना;

(च) विद्यमान उपविधियों में से किसी के संशोधन या निरसन पर विचार करना जिसकी सम्यक् नोटिस दे दी गई हो;

Scanned with CamScanner

(छ) निदेशक-बोर्ड के विनिश्चयों के विरुद्ध की गई अपीलों की सुनवाई करना और उनपर विचार करना;

(ज) वर्ष के लिए अधिकतम उधार सीमा नियत करना;

(झ) समिति के विभिन्न क्रिया-कलापों के लिए उप-समितियाँ गठित करना; और

(ञ) ऐसा कोई अन्य कार्य करना जो प्रस्तुत किया जाए।

41. (क) यदि कोई सदस्य किसी तरह समिति को धोखा दे या यदि उसका आचरण ऐसा हो कि समिति के हित में उसका हटाया जाना आवश्यक हो, तो सामान्य बैठक ऐसे सदस्य को निष्कासित कर सकेगी। यदि किसी सदस्य के यहाँ बाकी धन की बसूली के लिए समिति को इजराय कराना पड़े तो निदेशक-बोर्ड उसे सदस्यता से हटा सकेगा। इस उपविधि के अधीन सदस्यता से इस प्रकार हटाए गए सदस्य को, उससे समिति को प्राप्य कोई धन काटकर समिति द्वारा उसे देय सभी धन चुका दिया जायेगा। लेकिन उसकी शेयर-पूंजी उसे तबतक नहीं लौटाया जायगी, जबतक कि उपविधि 4 के अनुसार समिति का सदस्य होने का पात्र कोई व्यक्ति उसके द्वारा धारित शेयर खरीदने के लिए आगे न आए और जबतक कि इस प्रकार पुनः आवंटित शेयरों का मूल्य समिति को चुका न दिया जाए। जैसा कि उपविधि 17 (ख) में उपबंधित है निष्कासित सदस्य सदस्यता समाप्त होने की तारीख से दो वर्षों की अवधि में समिति के उन ऋणों को चुकाने का भागी होगा जो ऋण सदस्यता समाप्त होने की तारीख को विद्यमान थे।

(ख) उपर्युक्त उप-खंड के अधीन दिए गए किसी आदेश के विरुद्ध कोई अपील, सदस्य को आदेश संसूचित किए जाने की तारीख के बाद होनेवाली सामान्य निकाय की पहली बैठक में की जायगी।

42. निधि-विनिधान—समिति अपनी उन निधियों को, जिसका उपयोग कारबार में न हुआ हो, निम्नलिखित किसी भी रूप में विनिहित कर सकेगी :—

(i) डाकघर बचत बैंक में।

(ii) भारतीय न्यास अधिनियम (इंडियन ट्रस्ट ऐक्ट), 1882 की धारा 20 में विनिर्दिष्ट किसी प्रतिभूति में।

(iii) रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, बिहार के अनुमोदन से किसी रजिस्ट्रीकृत समिति के शेयर या उसकी प्रतिभूति में।

(iv) रजिस्ट्रार द्वारा अनुमोदित, बैंक का कारबार करनेवाले किसी बैंक में।

43. भूमि की खरीद और गृह निर्माण—सदस्यों की सामान्य बैठक द्वारा समय-समय पर, पारित किए जानेवाले संकल्प के अध्यधीन निदेशक-बोर्ड को ऐसे सभी कार्य करने की पूरी शक्ति होगी, जिसे वह उप-विधि सं० 3 में विनिर्दिष्ट सभी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक या समीचीन समझे। इसमें भूमि या गृह खरीदने, धारण करने, बेचने-विनिमय करने, बन्धक करने, किराया लगाने, पट्टे या उप-पट्टे पर देने, अभ्यर्पित करने या अभ्यर्पण स्वीकार करने तथा गृह-निर्माण करने की शक्ति भी शामिल है।

Scanned with CamScanner

44. निदेशक-बोर्ड निम्नलिखित के लिए सक्षम होगा—

(i) सरकार से या सरकार के जरिए या अन्यथा भूमि खरीदना;

(ii) इस प्रकार खरीदी गई भूमि को बसने लायक बनाना;

(iii) गलियाँ और सड़कें निकालना तथा भूमि को गृह-स्थलों के रूप में सविभाजित करना;

(iv) सदस्यों या अन्य व्यक्तियों के हाथ उन शर्तों पर स्थल बेचना या पट्टा पर देना या उनके विषय में अन्यथा संव्यवहार करना, जैसा कि वह अवधारित करे, और

(v) जल-आपूर्ति, जल निकास, रोशनी, सामुदायिक भवन (हॉल), पुस्तकालय, और सामान्य उपयोग वाले ऐसे ही निर्माणों का उपबन्ध करना या उन्हें बनाए रखना।

45. गृह-निर्माण—(i) समिति द्वारा अर्जित भूमि पर निदेशक-बोर्ड अपने द्वारा यथाविहित मानक वाले भवनों का निर्माण करेगा या कराएगा। यदि कोई खास सदस्य ऐसा चाहे तो, बोर्ड अन्य प्रकार के भवनों का निर्माण भी अपने हाथ में ले सकेगा, बशर्ते कि निदेशक-बोर्ड ने यह योजना अनुमोदित कर दी हो और संबद्ध सदस्य ने गृह-निर्माण प्रारम्भ करने के पहले अतिरिक्त लागत का भुगतान एक या एक से अधिक किस्तों में जैसा कि निदेशक-बोर्ड द्वारा अधिकथित किया जाय, कर दिया हो।

(ii) जब स्थल अर्जित, अभिन्यस्त और वर्गीकृत कर दिये जाएं, तो निदेशक-बोर्ड सदस्यों को स्थलों का चुनाव करने की अनुमति दे सकेगा। यदि दो या दो से अधिक सदस्य एक ही स्थल लेना चाहें, तो निदेशक-बोर्ड लाटरी द्वारा इस प्रश्न का विनिश्चय कर सकेगा। जब एक बार किसी सदस्य ने अपनी इच्छा से, अथवा लाटरी द्वारा अपने स्थल का चुनाव कर लिया हो, तो यह चुनाव अन्तिम होगा और सम्बद्ध सदस्यों के बीच पारस्परिक ठहराव के अतिरिक्त अन्यथा प्रतिसंहृत नहीं किया जा सकेगा। किसी भी सदस्य को एक से अधिक प्लाट लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) निदेशक-बोर्ड एक ही आकार के विभिन्न प्लाटों के लिए, उनकी स्थिति के अनुसार, विभिन्न कीमतें नियत कर सकेगा।

46. गृह-आवंटन—(क) हरेक सदस्य, समिति में प्रवेश पाने के समय, वह गृह-वर्ग उल्लिखित करेगा जिस वर्ग का गृह वह समिति से किस्ती-खरीद द्वारा अर्जित करना चाहता हो और, उप-विधि 47 (क) (i) में यथा उपबंधित आशय का तथा सदस्यों द्वारा संविदा का पालन न किए जाने पर समिति को होनेवाली हानि की सीमा तक क्षतिपूर्ति करने का भी करार निष्पादित कर देगा।

(ख) (i) जैसे ही गृह पूर्णतः निर्मित और किस्ती-खरीद पद्धति से सदस्यों को किराये पर देने लायक हो जाएं, वैसे ही उनका मूल्यांकन कर लिया जायेगा और प्रत्येक गृह का मूल्य, समिति द्वारा इसके प्रयोजनार्थ रखी जानेवाली बही में सम्बद्ध सदस्य के नाम

Scanned with CamScanner

के सामने लिख दिया जायगा।

(ii) समिति गृहों का मूल्य उन सदस्यों से जो उन्हें दखल करें निदेशक-बोर्ड द्वारा यथा-अवधारित किस्तों में वसूल करेगी और सदस्यों से इस प्रकार वसूल की गई किराए की रकम इसके प्रयोजनार्थ लिए गए कर्जों की अदायगी मद्धे विप्रेषित करेगी।

47. (क) (i) किस्ती-खरीद से अभिप्रेत यह है कि समिति कोई चल या अचल सम्पति किसी सदस्य द्वारा विहित फारम में यह करार निष्पादित करने पर उसके हवाले कर देगी। वह सदस्य निर्धारित लागत और समिति द्वारा समय-समय पर नियत की जानेवाली दर पर ब्याज जो सवा छः प्रतिशत से अधिक न होगा, अधिक-से-अधिक 20 वर्षों की अवधि के भीतर, मासिक किस्तों में समिति को चुका देगा। परन्तु स्वामित्व का अधिकार तबतक समिति का ही रहेगा जबतक कि उसपर देय मूलधन और ब्याज सहित सभी रकमें, समिति को चुका न दी जाएं। तीन लगातार किस्तों न देने, समिति को करार रद्द करने, सदस्य को उसे आवंटित सम्पति से बेदखल करने और किसी अन्य सदस्य के साथ फिर से बन्दोबस्त करने का अधिकार होगा। ऐसे मामलों में, केवल मूलधन मद्धे समिति को चुकाई गई किस्तों की रकम, निदेशक-बोर्ड द्वारा यथाविनिश्चित अनुपात से अवनुषांगिक व्यय, अवक्षय, ब्याज आदि घटाकर सम्बद्ध सदस्य को लौटा दी जायगी। सदस्य की मृत्यु या उसकी स्थायी असमर्थता या सदस्यता की समाप्ति की दशा में, उसके विधिक वारिसों पर समिति की सभी बकाया रकमें चुकाने का दायित्व होगा और ऐसा न करने पर सम्पत्ति किस्त का भुगतान न करने वाले सदस्य से ले ली जायगी।

(ii) गृह तबतक समिति की सम्पत्ति बना रहेगा जबतक कि सदस्य पूरा बकाया न चुका दे। इस अवधि में सदस्य निदेशक-बोर्ड द्वारा अवधारित दर, पर, समिति को नाम मात्र का किराया चुकाएगा। पूरा बकाया चुका दिये जाने पर स्वामित्व सम्बद्ध सदस्य को अन्तरित कर दिया जाएगा। समिति आवंटिती सदस्य के पक्ष में एक विक्रय विलेख निष्पादित कर स्थल और भवन उसे हस्तांतरित कर देगी। गृह-स्वामी से, उपयुक्त अवधि समाप्त होने के बाद भी, समिति का कम-से-कम एक शेयर धारण करने की उपेक्षा की जायगी।

(iii) यदि कोई सदस्य किस्ती-खरीद-पद्धति पर गृह लेकर उसका पूरा मूल्य नहीं चुकाए, किस्ती-खरीद संविदा को बिखण्डित करे या संविदा की शर्त्तों का पालन न करे या किस्त किराया, कर, आदि के भुगतान में अथवा किस्ती-खरीद संविदा की किन्हीं अन्य शर्त्तों के सम्बन्ध में या अन्यथा चूक करे, तो वह गृह से बेदखल कर दिया जायगा और ऐसा बेदखल किया गया सदस्य उन किस्तों की जिन्हें उसने किस्ती-खरीद-पद्धति के अधीन समिति को चुकाया हो और उस गृह के जिसे समिति समपहृत कर लेगी, मूल्य मद्धे अपने द्वारा की गई प्रारम्भिक जमा की वापसी का हकदार न होगा। फिर भी निदेशक-बोर्ड अपने विवेकानुसार उसे ऐसी रकम लौटा सकेगा जिसे वह न्यायोचित समझे।

(iv) गृह-किस्ती खरीद-करार में वे शर्त्तें और बन्धेज भी विनिर्दिष्ट रहेंगे, जो किस्ती खरीद-पद्धति के अधीन गृह खरीदने के इच्छुक सदस्यों को समिति द्वारा किये गए

Scanned with CamScanner

पट्टे के सम्बन्ध में निदेशक-बोर्ड द्वारा बनाए गए नियमों द्वारा विहित किए जाएँ।

(v) कोई भी सदस्य, निदेशक-बोर्ड की पूर्वानुमति के बिना सम्पत्ति या उसके किसी भाग को न तो समनुदेशित करेगा न उप-पट्टे पर देगा और न उसका कब्जा छोड़ेगा। जब कोई सदस्य गृह बेचना या अन्तरित करना चाहे तब पहला आफर समिति के वही-मूल्य पर किया जाएगा।

किसी सदस्य द्वारा देय किस्त, किराया; रेट और कर जिस महीने में वे देय हों उस महीने के बाद वाले महीने की 10 तारीख को या उसके पूर्व चुका दिये जायेंगे और ऐसा न करने पर, अतिदेय (ओवरड्यू) रकम पर प्रति रुपया प्रतिमाह एक पैसे की दर से ब्याज लगाया जाएगा। यदि किसी किस्ती खरीदार के यहाँ किस्ती खरीद किस्त आदि से सम्बन्धित बकाया छह महीनों से अधिक समय से बाकी हो तो वह अपनी अभिधृति से बेदखली और उपर्युक्त उपविधि 47 (क) (iii) के अधीन कार्रवाई का भागी होगा।

मरम्मत और सुख सुविधाएँ—(ख) (i) निदेशक-बोर्ड गृहों की साधारण वार्षिक मरम्मत और विशेष मरम्मत के लिए अपने द्वारा नियत दर पर, वार्षिक या आवधिक फीस लगा सकेगा।

(ii) निदेशक-बोर्ड सामाजिक चिकित्सा-सम्बन्धी, आमोद-प्रमोदात्मक और ऐसे अन्य सुख-सुविधाओं की, जिन्हें वह सदस्यों के लिए आवश्यक समझे, व्यवस्था कर सकेगा तथा सामान्य निकाय की बैठक के अनुमोदन से नियमों के अधीन यथाविहित दरों पर चन्दा लगा सकेगा।

48. संपरीक्षा और लाभ-वितरण—समिति की संविधिक (स्टैट्यूटरी) संपरीक्षा बिहार उड़ीसा सहकारी समिति अधिनियम (बिहार एण्ड उड़ीसा को-ऑपरेटिव सोसाईटीज ऐक्ट) (6, 1935) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार की जायगी।

49. संविधिक (स्टैट्यूटरी) संपरीक्षा के अतिरिक्त, वार्षिक सामान्य बैठक में नियुक्त संपरीक्षक भी समिति के लेखे की संपरीक्षा कर सकेंगे।

50. समिति का लेखा प्रति वर्ष 30 जून को बन्द हो जायगा। संविधिक (स्टैट्यूटरी) संपरीक्षा के बाद, शुद्ध लाभ की व्यवस्था सामान्य बैठक में निम्नलिखित रूप में की जायगी—

(क) 35 प्रतिशत आरक्षित निधि में जमा कर दिया जायेगा।

(ख) 10 प्रतिशत से अनधिक राशि डूबन्त और शंकास्पद ऋण-निधि में जमा की जा सकेगी।

(ग) 10 प्रतिशत से अनधिक राशि सामान्य भलाई-निधि में जमा की जा सकेगी।

(घ) समादत्त शेयर धन पर सवा छः प्रतिशत से अनधिक लाभांश घोषित किया जा सकेगा।

(ङ) गृह-मूल्य के आधार पर रिबेट घोषित किया जा सकेगा।

घोषित रिबेट सदस्यों को नकद तबतक देय नहीं होगा जबतक कि समिति का बकाया उनके यहाँ पड़ा हो। हरेक सदस्य को देय रकम उसके किस्ती खरीद लेखे में जमा कर

Scanned with CamScanner

दी जायगी ।

(च) समिति के कर्मचारियों को बोनस के रूप में अधिक-से-अधिक एक महीने का वेतन दिया जा सकेगा ।

(छ) यदि कोई शेष हो तो उसे आगे ले चला जायेगा ।

51. आरक्षित निधि—(1) आरक्षित निधि निम्नलिखित से मिलकर बनेगी :—

(क) अधिनियम के अधीन निधि में प्रति वर्ष डाला गया शुद्ध लाभ का 35 प्रतिशत,

(ख) लाभ में से या अन्यथा इसमें आवंटित कोई अन्य रकम,

(ग) रजिस्ट्रेशन की तारीख से तीन वर्षों तक समिति को गठित करने में हुए प्रारम्भिक खर्चों को काटकर प्रवेश-फीस;

(घ) समिति में समपहृत शेयरों का मूल्य ।

(2) आरक्षित निधि समिति की होगी और सदस्यों के बीच बांटी न जायगी ।

(3) आरक्षित निधि निम्नलिखित किसी भी प्रयोजन के लिए उपलब्ध होगी :—

(क) किन्हीं अपूर्वदृष्ट परिस्थितियों से हुई हानि को पूरा करने के लिए, इस निधि से की गई ऐसी निकासियों की प्रतिपूर्त्ति यथासंभव शीघ्र कर दी जाएगी,

(ख) समिति से की गई किसी ऐसी मांग को पूरा करने के लिए जिसकी पूर्ति अन्यथा न हो सकती हो, ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्त्ति यथासंभव शीघ्र कर दी जाएगी,

(ग) किसी ऐसे कर्ज की प्रतिभूति के रूप में जो समिति को लेना पड़े ।

(4) समिति के विघटन की दशा में आरक्षित निधि का उपयोग उन प्रयोजनों के लिए किया जायगा जो रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, बिहार के अनुमोदन से, इस प्रयोजनार्थ बुलाई गई विशेष बैठक में सदस्यों के बहुमत से अवधारित किए जाएं ।

52. उपविधियों में परिवर्त्तन—कोई भी उपविधि तबतक बनाई, परिवर्तित या विराकृत न की जायेगी, जबतक कि :—

(क) ऐसा करने का प्रस्ताव सदस्यों को, सामान्य बैठक की तारीख से दस दिन पहले, संसूचित न कर दिया गया हो,

(ख) संकल्प सामान्य बैठक में उपस्थित और मतदान करनेवाले सदस्यों में से कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा पारित न कर दिया जाय, और

(ग) बनाया जाना, परिवर्तन या निराकरण रजिस्ट्रार, सहकारी समिति द्वारा अनुमोदित और रजिस्ट्रीकृत न कर दिया जाए ।

53. प्रकीर्ण—किसी सदस्य या भूतपूर्व सदस्य द्वारा अथवा किसी मृत सदस्य की संपदा से समिति को शोध्य किसी ऋण के सम्बन्ध में, उस सदस्य या भूतपूर्व सदस्य या मृत सदस्य की जमा शेयर-पूंजी, निक्षेप और किसी अन्य धन पर समिति का भार होगा तथा समिति किसी सदस्य या भूतपूर्व या मृत सदस्य अथवा मृत सदस्य की संपदा के नाम जमा या उसे देय कोई राशि ऐसे किसी ऋण के भुगतान मद्धे मुजरा कर सकेगी ।

Scanned with CamScanner

54. जब कोई सदस्य, जिसके यहाँ धन बाकी हो कोई रकम चुकाए तो वह निम्न-लिखित क्रम में विनियोजित की जाएगी :—

प्रथमतः उसके द्वारा शोध्य फीस, जुर्माने तथा डाक रजिस्ट्रीकरण और अन्य प्रकीर्ण चार्जों में,

द्वितीयतः व्याज में, और

तृतीयतः किस्ती खरीद किस्तों में।

55. समिति बिहार-उड़ीसा सहकारी समिति अधिनियम (बिहार एण्ड उड़ीसा को-आँपरेटिव सोसाइटीज ऐक्ट) (6, 1935) और समिति को शासित करनेवाली नियमावली तथा अपनी उपविधियों की एक-एक प्रति अपने रजिस्ट्रीकृत पते पर सभी युक्तियुक्त समयों में निःशुल्क निरीक्षण के लिए खुली रखेगी।

56. यदि अधिनियम या किन्हीं उपविधियों के सम्बन्ध में कोई शंका उठे तो निदेशक-बोर्ड उसे रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, बिहार के विनिश्चय के लिए उसके पास भेज देगा और उनका विनिश्चय अन्तिम होगा।

57. समिति की एक सामान्य मुहर होगी, जो अवैतनिक सचिव की अभिरक्षा में रहेगी।

58. समिति बिहार को-आँपरेटिव फेडरेशन, लि०, पटना से संबद्ध रहेगी।

59. समिति रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, बिहार के अनुमोदन से और बिहार-उड़ीसा सहकारी समिति अधिनियम (बिहार, ऐण्ड उड़ीसा को-आँपरेटिव सोसाइटीज ऐक्ट) (6,1935) और उसके अधीन बनाई गई नियमावली के उपबन्धों के अनुसार परिसमापित की जा सकेगी, यदि इसके प्रयोजनार्थ विशेष रूप से बुलाई गई सामान्य बैठक में उपस्थित सदस्यों में से तीन-चौथाई सदस्य इसके लिए मत दें।

60. ऐसे सभी विषयों का जो विशेष रूप से उपबंधित न किए गए हों, बिहार-उड़ीसा सहकारी समिति अधिनियम (6, 1935) और इसके अधीन बनाई गई नियमावली के अनुसार विनिश्चय किया जायेगा।

क्रम संख्या

आवेदन कर्त्ताओं के हस्ताक्षर

1.

1. श्री गो० अली
2. श्री गो० शाहिद
3. " मो० शमीम
4. " इरफानुल हक
5. " श्याम नाथ
6. " इमदाद अली

मो० अली
मो० शाहिद
इरफानुल हक
श्यामनाथ
इमदाद अली

Scanned with CamScanner

7. श्री अब्दुल अजीज अब्दुल अजीज

8. " तारिक हसन तारिक हसन

9. " नसीम अहमद Nasim Ahmad

10. " आफताबुल हक - Aftab

11. " शमशाद हसन फैज़ी Shamshad Hasan faizi

12. " सुनील कुमार - Sunil Kumar.

~~13. " अब्दुल मतीन~~

14. " प्रवेज़ अहमद Perveez Ahmed

15. " शाहिद एकबाल

16. " मो० आरिफ़ Md Arif

~~17. " मोहीन अहमद~~

18 " प्रवेज अहमद प्रवेज अहमद

~~19. " मो० शकील~~

20. " मो० खुरशीद Md Khursid

21. " मो० अलाउद्दीन मो० अलाउद्दीन

22. " शकीरुल हक Shakirul Haque

क्रमांक 1 से 22 तक हाजरी अनिवार्य अब्दुल अजीज
अंकित कर्ता

Scanned with CamScanner